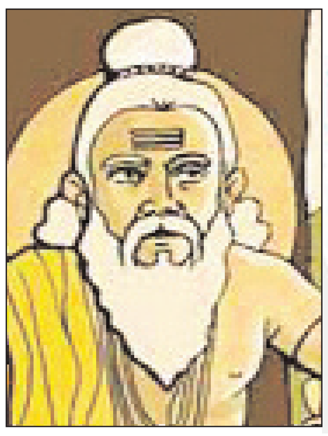

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ङ्कषहदू धर्मग्रंथों का सार जानिए किस ग्रंथ में या है?..... पेज: 7

इंडस्ट्री में मेरा शुरूआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 67 | सोमवार 08 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नई दिल्ली में एस जयशंकर की इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो से वार्ता, रक्षा-व्यापार समेत कई क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने इंडोनेशियाई समकक्ष सुगियोनो की मेजबानी करते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा, समुद्री व्यापार, निवेश, दवा उद्योग और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में इंडोनेशिया भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार तथा निवेश समेत समग्र संबंधों में लगातार वृद्धि हुई है। सुगियोनो इस समय नयी दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग की आठवीं बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने कहा, नयी दिल्ली में आठवीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक के लिए आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए

जेएमएम की धमकी और सीपीएम के कड़े पत्र ने बढ़ाई इंडिया गठबंधन की टेंशन, क्या करेगी कांग्रेस?

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्षी इंडिया गठबंधन के अंदरूनी हालात कुछ ठीक नहीं नजर आ रहे हैं। गठबंधन में शामिल कुछ बड़े राजनीतिक दलों के तेवर अचानक बदल गए हैं। सोमवार को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की एक बहुत अहम बैठक होने जा रही है, लेकिन इस मीटिंग से ठीक पहले ही विपक्षी दलों के बीच मतभेद की खबरें खुलकर सामने आने लगी हैं। डीएमके तो पहले से ही नाराज चल रही थी, अब सीपीएम और झारखंड मुक्ति मोर्चा के रुख ने भी कांग्रेस की टेंशन बढ़ा दी है। सीपीएम नेता ने खरगे को लिखा कड़ा पत्र सीपीएम के जनरल सेक्रेटरी एमए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक चिट्ठी लिखी है। इस पत्र में उन्होंने केरल में लेफ्ट पार्टी के खिलाफ कांग्रेस के चुनाव प्रचार और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई

विजयन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की मांग करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। माना जा रहा है कि बेबी ने अपने पत्र में सीधा सवाल उठाया है कि सीपीएम के प्रति कांग्रेस का जो रवैया है, उसे देखते हुए बीजेपी के खिलाफ मिलकर लड़ने के गठबंधन के मकसद में तालमेल बिठाना बहुत मुश्किल होगा। नाराजगी के बावजूद बैठक में जाएगी सीपीएम कांग्रेस के कामकाज को लेकर इतनी गंभीर आपत्तियों और कड़े विरोध के बाद भी सीपीएम ने एक बड़ा फैसला लिया है। पार्टी ने तय किया है कि वे नई दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की इस बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके लिए सीपीएम अपने राज्यसभा सांसद डॉ. जॉन

तो वहीं झारखंड में राज्यसभा उम्मीदवार पर..........

सोमवार को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले विपक्षी एकता में दरारें उभर आई हैं, जिससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीपीएम ने केरल में कांग्रेस के रवैये पर कड़ा पत्र लिखा है, तो वहीं झारखंड में राज्यसभा उम्मीदवार पर एकतरफा फैसले से नाराज जेएमएम ने अलग उम्मीदवार उतारने की धमकी दी है।

ब्रिटास को इस मीटिंग में भेज रही है। डीएमके और जेएमएम भी कांग्रेस से खफा सीपीएम के ये कड़े तेवर ऐसे समय में सामने आए हैं जब डीएमके पहले ही इस बैठक का बायकॉट करने का एलान कर चुकी है। तमिलनाडु चुनाव के नतीजों के बाद जिस तरह से कांग्रेस ने डीएमके का साथ छोड़ दिया और टीवीके के साथ मिलकर सरकार बनाई, उससे डीएमके बेहद नाराज है। यही वजह है कि उन्होंने बैठक से दूरी बना ली है। दूसरी तरफ, झारखंड मुक्ति मोर्चा भी कांग्रेस से काफी खफा है। जेएमएम की नाराजगी इस बात को लेकर है कि कांग्रेस ने झारखंड में राज्यसभा उम्मीदवार की घोषणा करने का फैसला अकेले ही ले लिया। जेएमएम ने दी अलग उम्मीदवार उतारने की धमकी जेएमएम के सूत्रों की मानें तो पार्टी कांग्रेस के इस एकतरफा फैसले से इस कदर नाराज है कि उसने झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में अपना दूसरा उम्मीदवार उतारने तक की धमकी दे दी है। बंगाल हिंसा को लेकर भी खड़े हुए सवाल विवाद सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। केरल में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने सीपीएम पर जो हमले किए थे, उससे लेफ्ट पार्टियां नाराज हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर टीएमसी नेता ममता बनर्जी का समर्थन करने की गठबंधन की किसी भी कोशिश पर लेफ्ट को सख्त एतराज है। सीपीएम नेता बेबी ने खरगे को लिखे पत्र में साफ कहा है कि जब तक इन मुद्दों पर स्थिति साफ नहीं होती, तब तक गठबंधन का असली मकसद ही सवालों के घेरे में रहेगा।

टीएमसी में बगावत की आग के बीच दिल्ली पहुंचीं ममता, इंडिया गठबंधन की बैठक पर सबकी नजर

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी पार्टी के सांसदों के बीच फूट की अटकलों के बीच, विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से एक दिन पहले रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुईं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बनर्जी के साथ राज्यसभा सदस्य डोला सेन और लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी भी गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे, जबकि पार्टी नेतृत्व उन आशंकाओं से जूझने लगा है कि बगावत अब उसके संसदीय दल तक भी फैल सकती है। ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक को पहले विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्ल की बैठक के लिए रविवार को एक साथ दिल्ली रवाना होना था, लेकिन डायमंड

हार्बर से सांसद एक दिन पहले ही शनिवार को रवाना हो गए। उम्मीद है कि सोमवार को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले, तृणमूल का शीर्ष नेतृत्व अपनी पार्टी के भीतर की स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करेगा। यह कदम उन खबरों के बीच उठाया जा सकता है, जिनमें कहा जा रहा है कि पार्टी के असंतुष्ट नेता और सांसद संसद में भी वही स्थिति पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, जो पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा में हो चुकी है। तृणमूल के 80 में से 58 विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक विधायक दल से बगावत कर अलग गुट बना लिया। इस नए गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्ष के रूप में मान्यता भी मिल गई। इसे ममता बनर्जी के लिए पार्टी बनने के बाद सबसे बड़े राजनीतिक झटकों में से एक माना जा रहा है। घटनाक्रम से परिचित सूत्रों का दावा है कि संसद के दोनों सदनों के सांसदों के बीच समर्थन जुटाने के प्रयास जारी हैं। ममता बनर्जी के दिल्ली प्रवास के दौरान पार्टी सांसदों और नेताओं को एकजुट बनाए रखने के लिए राजनीतिक बातचीत और बैठकें होने की संभावना है, क्योंकि संकेत मिल रहे हैं कि बागी सांसद अगले कुछ दिनों के भीतर अपना कदम उठा सकते हैं। तृणमूल के बागी विधायक एवं पार्टी के नए विधायक दल के उपनेता संदीपन साहा के अनुसार, नयी दिल्ली में पार्टी के संसदीय दल के भीतर भी वैसा ही घटनाक्रम हो रहा है, जैसा पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुआ था। पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल की हार के बाद, पार्टी के कई नेताओं ने खुलकर अभिषेक बनर्जी और उनकी नेतृत्व शैली की आलोचना की है।

बंगाल सरकार के आदेश से मदरसा संचालकों की उड़ी नींद, 5 जुलाई तक करना होगा ये काम नहीं तो...

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल सरकार ने मदरसों के कामकाज, उनके बुनियादी ढांचे और उनकी कानूनी स्थिति के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त करने के लिए राज्यव्यापी सर्वेक्षण शुरू किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में पांच जुलाई तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। भाजपा सरकार ने बदली रणनीति अधिकारियों ने कहा कि सर्वेक्षण से सरकार को यह सत्यापित करने में भी मदद मिलेगी कि सभी मदरसे मौजूदा नियमों के अनुसार चल रहे रहे हैं या नहीं और यह भी कि उनके पास आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं या नहीं। यह घटनाक्रम भाजपा के राज्य में सत्ता में आने के एक महीने

बाद सामने आया है। पार्टी ने 15 वर्षों तक राज्य पर शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया था। पंजीकरण विवरण, वैध दस्तावेजों की मांगी रिपोर्ट अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने पांच जून को एक अधिसूचना जारी की जिसके अनुसार, जिला प्रशासनों को मदरसों के स्थान, उनकी स्थापना का वर्ष, पंजीकरण विवरण, वैध दस्तावेजों की उपलब्धता और विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या के बारे में डेटा एकत्र करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट करना होगा कि संस्थान आवासीय हैं, सहायता प्राप्त निजी संस्थान हैं या गैर-सहायता हैं। मदरसा शिक्षा क्षेत्र में भविष्य की योजना बनाने का उद्देश्य रिपोर्ट में मदरसों में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रमों का विवरण देना होगा। राज्य सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मदरसा शिक्षा क्षेत्र में भविष्य की योजना बनाने में सहायता के लिए एक अद्यतन डेटाबेस तैयार करना है। प्रशासन के सूत्रों ने संकेत दिया कि समीक्षा के दौरान पाई गई किसी भी अनियमितता या अनधिकृत गतिविधि की अलग से जांच की जाएगी। 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य हालांकि मदरसों द्वारा अपनाए जा रहे मौजूदा शैक्षणिक ढांचे या पाठ्यक्रम में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से राज्य सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में शुरू की गई कई नीतिगत पहलों के बीच यह कदम उठाया गया है।

हिमंत विश्व शर्मा का बड़ा एक्शन, 16 मंत्रियों को सौंपी जिलों की कमान, मिशन असम को मिलेगी रफ्तार!

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल के अपने 16 सहयोगियों को जिले का प्रभार आवंटित करने की रविवार को घोषणा की। इन मंत्रियों को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर संबंधित जिलों में विकास कार्यों की निगरानी और देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारी मंत्री के रूप में वे अपने-अपने जिलों में सभी सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु तथा प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे असम सरकार के मंत्रियों को जिलों का प्रभार सौंपने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मुझे विश्वास है कि सभी मंत्री जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और राज्य की प्रगति तथा समृद्धि की यात्रा को और अधिक गति प्रदान करेंगे। रामेश्वर तेली को तिनसुकिया और जोरहाट का प्रभार दिया गया है, जबकि अतुल बोरा को कामरूप महानगर और धेमाजी की जिम्मेदारी

दी गई है। कोकराझार, बक्सा और चिरांग चरण बोरो को, मोरीगांव और कामरूप अजंता निओग को, बोंगाईगांव और बारपेटा अश्विनी रे सरकार को, दरांग और धुबरी अशोक सिंघल को, शिवसागर और चराइदेव बिमल बोरा को, और नलबाड़ी और सोनितपुर बिस्वजीत दैमारी को आवंटित किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि तामुलपुर और गोलपारा जयंत मल्लबरुआ को जबकि श्रीभूमि और हैलाकांडी की जिम्मेदारी कौशिक राय को, दक्षिण सलमारा-मनकचर और उत्तरी लखीमपुर केशब महंत को, तथा दिमा हसाओ और कछार की जिम्मेदारी कृष्णेंदु पॉल को सौंपी गई है। पीयूष हजारिका नगांव, होजाई, कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों के प्रभारी मंत्री होंगे।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे बिहार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने किया स्वागत, मुंगेर में खास तैयारी

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत रविवार को बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, भागवत पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे और वह मुंगेर रवाना होंगे, जहां वह तीन दिन यानी नौ जून तक ठहरेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भागवत का स्वागत किया। भागवत के मुंगेर दौरे को देखते हुए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। आरएसएस सूत्रों के मुताबिक, भागवत का यह तीन दिवसीय दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों ने कहा, मुंगेर प्रवास के दौरान वह स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे, संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेंगे तथा विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम मुंगेर के

पुरानीगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरएसएस प्रमुख के आगमन को लेकर स्थानीय स्वयंसेवकों में काफी उत्साह है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल मुंगेर में जारी तीन प्रशिक्षण सत्रों में लगभग 700 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इन सत्रों का उद्देश्य संगठनात्मक क्षमता बढ़ाना, नेतृत्व कौशल को मजबूत बनाना और कार्यकताओं को सामाजिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है।

सीबीएसई घोटाला का पदार्फाश करने वाले छात्रों से मिले राहुल गांधी, पीएम मोदी पर कसा तंज

नई दिल्ली एजेंसी: सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम प्रणाली को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पिछले दिनों झारखंड के रांची के रहने वाले एक छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग के जरिए इस सिस्टम को लेकर एक बड़ी पड़ताल सामने रखी थी, जिसने शिक्षा विभाग की नींव हिलाकर रख दी है। अब इस पूरे मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी की एंट्री हुई है और उन्होंने सार्थक सिद्धांत व उनके दोस्त निसर्ग अधिकारी की जमकर तारीफ की है। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीएसई और कोएम्प्ट के बीच चल रही मिलीभगत का पदार्फाश करके इन युवाओं ने कमाल कर दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश के युवा सिर्फ रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें, लेकिन इन दोनों युवाओं ने सरकार से जरूरी सवाल भी उठाए और खुद उनके जवाब भी ढूंढ़ निकाले। राहुल गांधी ने सार्थक से मुलाकात का वीडियो

किया शेयर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते सार्थक सिद्धांत के साथ हुई अपनी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किया है। सार्थक, सीबीएसई की ओएसएम प्रक्रिया से प्रभावित छात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ओएसएम प्रक्रिया का टेंडर देने वाली वेंडर कंपनी के चयन में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ी की तरफ इशारा किया है। देश के बड़े मीडिया हाउस जो न कर सके, वो बच्चों ने कर दिखाया राहुल गांधी ने सार्थक की सराहना करते हुए कहा, "सार्थक की उम्र भले ही कम है, लेकिन अपनी सोच, साहस और सिद्धांतों में वह किसी से कम नहीं हैं। उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो बड़ा काम कर दिखाया है जो देश के बड़े-बड़े मीडिया घराने और खोजी पत्रकार भी नहीं कर पाए। इन दोनों ने सीबीएसई और कोएम्प्ट के बीच के गठजोड़ को पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है।" राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश का यह बच्चा सीबीआई से भी तेज निकला और नौजवानों की यह बड़ी जीत सही मायने में सरकार की करारी हार है।

पुलिस की कार्यशैली पर कोर्ट सख्त, अखिलेश बोले- कलयुग में कानून के रखवाले ही बन रहे अपराधी

प्रयागराज: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों की निष्ठा संविधान की अपेक्षा सत्ता में रहने वाली सरकारों के प्रति अधिक दिखाई देती है। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कहा कि प्रदेश में राजनेताओं और नौकरशाहों की "सामंती मानसिकता" ने लंबे समय से संवैधानिक शासन को जनसेवा के बजाय व्यक्तिगत प्रभुत्व का माध्यम बना दिया है। इस बयान को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसे लेकर अखिलेश योगी सरकार पर हमला बोला है। भाजपा सरकार को शासन करने का कोई अधिकार नहीं उन्होंने एक्स पर पोस्टकर कहा कि माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भाजपा सरकार के समय में हो रही पुलिसिया ज्यादतियों को देखकर, उप्र की पुलिस व्यवस्था पर जो सख़्त टिप्पणी की है उसे सुनकर तो नैतिक रूप से भाजपा सरकार को शासन करने का कोई अधिकार नहीं बचता है परंतु नैतिकता, निष्पक्षता, सत्यनिष्ठता, ईमानदारी व इंसाफ जैसे शब्द भाजपा के शब्दकोश में हैं ही नहीं। संविधान सदैव रहेगा, ये भाजपाई तो अंतिम दौर में हैं भाजपा राज में पुलिस भाजपा के भ्रष्टाचार

की भ्रष्टपुतली बनकर, संविधान के स्थान पर अवैधानिक-आपराधिक तरीके अपनाकर सत्ता के सियासी फायदे के लिए कानून अपने हाथ में ले रही है। उन्होंने नसीहत देते हुए लिखा भ्रष्ट पुलिसवाले दो बातें याद रखें ये भाजपा किसी की सगी नहीं हैं। संविधान सदैव रहेगा, ये भाजपाई तो अंतिम दौर में हैं। भाजपाई निश्चित

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों की निष्ठा संविधान की अपेक्षा सत्ता में रहने वाली सरकारों के प्रति अधिक दिखाई देती है। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कहा.........

रूप से जा रहे हैं और फिर कभी लौटकर आएंगे भी नहीं। न्याय कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! स्वतंत्र रुख अपनाने वाले अधिकारियों को दिए जाते हैं महत्वहीन पद दरअसल, अदालत ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा, "राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था विभिन्न सरकारों के दौरान गहरे राजनीतिक हस्तक्षेप के प्रति संवेदनशील रही है।" उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में अधिकारियों के तबादले, नियुक्तियां और पदोन्नतियां योग्यता आधारित प्रशासन के बजाय राजनीतिक संरक्षण के साधन बन गए हैं। तीन जून को दिए गए अपने फैसले में पीठ ने कहा, "सत्ताधारी व्यवस्था के प्रति निष्ठावान माने जाने वाले अधिकारियों को पसंदीदा पदस्थापनाएं(पोस्टिंग)- जैसे शहरी कमिश्नरेट और महत्वपूर्ण जिले प्राप्त होते हैं, जबकि स्वतंत्र रुख अपनाने वाले अधिकारियों को दंडात्मक रूप से महत्वहीन पदों पर भेज दिया जाता है। यह एक सर्वविदित तथ्य है। मुठभेड़ों में हुई मौतें, चुनिंदा कार्रवाई अदालत ने कहा, "अधिकारियों की निष्ठा संविधान के प्रति नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ व्यवस्था के प्रति होती है। तबादला-पदस्थापन की व्यवस्था से भली-भांति परिचित क्षेत्रीय अधिकारी अपने राजनीतिक वरिष्ठों को संतुष्ट करने के अनुरूप आचरण करते हैं। मुठभेड़ों में हुई मौतें, चुनिंदा कार्रवाई और असुविधाजनक व्यक्तियों के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम का लक्षित उपयोग समय-समय पर न्यायिक संज्ञान में आता रहा है।

संपादकीय

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा। वह सब कुछ तबाह कर देंगे। फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है। कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है। अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है। इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है। कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया। वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं। अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे। संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है। यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं ...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

© ANI Video Grab

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रितावृता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताव्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सड़क सुरक्षा को लेकर अमरोहा पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, 310 वाहनों के काटे चालान

50 वाहन ओवरस्पीडिंग में फंसे, रात में शराब पीकर चलाने वालों की भी हुई जांच

अमरोहा (सब का सपना):- सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए एसपी लखन सिंह यादव के निर्देश पर यातायात पुलिस ने जिले में विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। प्रभारी यातायात राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में चले अभियान में नियम तोड़ने वाले कुल 310 वाहनों के चालान किए गए। अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, राष्ट्रीय राजमार्गों और व्यस्त मार्गों पर वाहनों की जांच की गई। मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए बिना हेलमेट दोपहिया चलाने, सीट बेल्ट न लगाने, रॉन्ग साइड चलने, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करने वालों पर कार्रवाई हुई। ओवरस्पीडिंग करने वाले 50 वाहन भी पकड़े गए। यातायात पुलिस ने रात के समय शराब पीकर वाहन चलाने वालों की भी सघन जांच की। विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध चालकों का परीक्षण कराकर उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी यातायात राजेंद्र सिंह ने बताया कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि दोपहिया पर हेलमेट और कार में सीट बेल्ट जरूर लगाएं। निर्धारित गति सीमा में चलें और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल न करें। पुलिस ने आमजन को जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। जिले में सुरक्षित और सुगम यातायात के लिए आगे भी विशेष अभियान जारी रहेंगे।

जनगणना में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत, तहसील हसनपुर (ग्रामीण) में तैनात प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह (प्राथमिक विद्यालय, गुलामपुर, विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी) को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें जनगणना में पर्यवेक्षक के रूप में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य सौंपा गया था, जिसे उन्होंने अत्यंत निष्ठा, कुशलता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने रामवीर सिंह के अनुशासन, कर्तव्य परायणता और समर्पण भाव की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उनका योगदान अनुकरणीय है और अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इसी क्रम में, हसनपुर ब्लॉक के प्रधानाध्यापक सोम सिंह को भी उनके सराहनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी हसनपुर हिमांशू उपाध्याय और तहसीलदार लकी सिंह का हार्दिक आभार व्यक्त किया। रामवीर सिंह की इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग और स्थानीय निवासियों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

सफाई और स्वच्छता के मामले में नं.-1 कहलाई जाने वाली नगर पालिका गजरौला में लगे गंदगी के अम्बार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर पालिका परिषद को साफ सफाई एवं स्वच्छता के मामले में मंडल में प्रथम स्थान मिला हुआ है। लेकिन ग्राउंड जीरो पर इसकी हकीकत कुछ और ही सामने आ रही है। उस हकीकत में यह सामने आया कि नगर में जगह-जगह नालों तमाम कूड़ा अटका हुआ है उसको पालिका कर्मचारी निकाल कर फुटपाथ पर ऐसे डाल रहे हैं कि उन पर तमाम मक्खियों इकट्ठी हो जाती हैं जो बीमारी की जड़ को मजबूत करती हैं। यदि उस कूड़े के ढेर के पास से कोई राहगीर गुजर जाता है तो मक्खिया कूड़े पर से ऐसे उड़ती है कि मानो किसी ने मधुमक्खियों का छत्ता छेड़ दिया हो। जी हां हम बात कर रहे हैं मंडल में साफ सफाई एवं स्वच्छता के मामले में प्रथम स्थान प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली नं.-1 गजरौला नगर पालिका परिषद की। जहां के फुटपाथों एवं नालों में इस कदर गंदगी भरी पड़ी है कि उन पर जहरीली मक्खियां मधुमक्खियों की तरह अपना छत्ता बनाए बैठी रहती है। गंदगी का यह अंबार गजरौला नगर पालिका परिषद के कोतवाली के सामने देखने को मिला जहां पर राहगिरो के साथ-साथ स्थानीय दुकानदार भी बैठे रहते हैं। आपको बता दे कि नगर पालिका गजरौला में पालिका परिषद की तरफ से गले सड़े कूड़े को लेने के लिए घर-घर गाड़ियां जाती हैं इस मामले में नगर पालिका परिषद अधिकारियों द्वारा नगर वासियों से अपील भी कर रखी है कि सभी अपना कूड़ा कचरा गाड़ी में डालें जिसको पालिका की तरफ से लगे प्लांट में कामयाब किया जाएगा अब यहां सवाल यह उठता है कि नगर वासी अपने कर्तव्य का निर्वहन तो पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं लेकिन फुटपाथों एवं नालों में पाये जाने वाले इस गंदगी के अंबार का आखिर जिम्मेदार कौन है। क्या नगर पालिका का स्वच्छता अभियान केवल नगर वासियों के घरों तक ही सीमित है बाकी नगर में होने वाली गंदगी की जिम्मेदारियों का निर्वहन कौन करेगा।

अमरोहा सपा कार्यालय में हुई मासिक बैठक, राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर रहे मुख्य अतिथि

संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी कार्यालय अमरोहा में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्टी पदाधिकारियों ने बूथ स्तर तक संगठन को और सक्रिय बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भी बैठक में भाग लिया। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि समाजवादी विचार, जनता का अधिकार यही है सपा की पहचान। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और सरकार की जनविरोधी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की। बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ता को कथित धमकी मामले में ब्राह्मण महासभा ने उठाई गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला शुक्लपुरी स्थित शुक्ला भवन में रविवार को अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महासभा के पदाधिकारियों ने अधिवक्ता एवं विधि सलाहकार डॉ. रविंद्र शुक्ला को कथित रूप से जान से मारने की सुपारी दिए जाने के मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी, कठोर कार्रवाई तथा जिला बदर की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए महासभा के संस्थापक देवेंद्र पाल शर्मा ने कहा कि डॉ. रविंद्र शुक्ला लंबे समय से जनहित के मुद्दों को उठाते रहे हैं और अवैध कॉलोनियों, वन माफियाओं तथा अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसे में यदि कानून और न्याय व्यवस्था की रक्षा करने वाले अधिवक्ताओं को ही धमकियां मिलती हैं तो यह कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने प्रशासन से डॉ. रविंद्र शुक्ला और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मामले में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज न्याय और कानून के पक्ष में खड़ा है तथा कानून का सम्मान करने वालों को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यदि दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने पर विचार करेगा। सभा में मौजूद लोगों ने घटना की निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर संस्थापक पंडित योगेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, दिनेश शर्मा, संजय शर्मा, विवेक शर्मा, अनिल दुबे, पवन शर्मा, जागेश शर्मा, नरेश शर्मा तथा जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन में 'वामा वेलनेस कैंप' आयोजित, 31 पुलिसकर्मियों ने कराई स्वास्थ्य जांच

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए रिजर्व पुलिस लाइन अमरोहा में 'वामा वेलनेस कैंप' का आयोजन किया गया। यह शिविर अध्यक्षा वामा सारथी उ.प्र. पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के निर्देश और एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में लगाया गया। शिविर में टाटा 1एमजी की टीम के आकाश कुमार, रवि कुमार, विष्णु और प्रिंस ने पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य परीक्षण किए। TSH, थायराइड, KFT, विटामिन-ऊ लिपिड प्रोफाइल, HBA1C, LFT, विटामिन-B12, कैल्शियम, यूरिक एसिड, कोलेस्ट्रॉल समेत कई जांचें बाजार से कम दाम पर हुईं। CGHS दरों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट भी दी गई। कुल 31 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया। कैंप में होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श और दवा वितरण कार्यक्रम भी हुआ। जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय से डॉ. अंजू रानी, फार्मासिस्ट मुकेश गुप्ता, रूपेश कुमार और टीम ने पुलिसकर्मियों को उनकी समस्याओं के अनुसार परामर्श दिया और जरूरी होम्योपैथिक दवाएं बांटीं।

कार्यक्रम का मकसद पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य संरक्षण, नियमित जांच के प्रति जागरूकता और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मौजूद पुलिसकर्मियों ने इस पहल को उपयोगी और लाभकारी बताया।

गजरौला क्षेत्र में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप,पीड़िता ने शिकायतीपत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पीड़ित युवती का कहना है कि आरोपी युवक ने उसे शादी का वादा किया था लेकिन अब वह किसी अन्य युवती से शादी की तैयारी कर रहा है। बता दें कि इस मामले में गजरौला कोतवाली क्षेत्र की निवासी पीड़ित युवती से प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक ने उससे शादी का वादा किया था और इसी भरोसे करीब 8 माह तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाएं। जब भी पीड़िता ने उससे शादी की बात कही तब तब वह युवक उसके साथ टालमटोल करता रहा। पीड़ित युवती से हाल ही में प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक किसी अन्य युवती से शादी की तैयारी कर रहा है इसके बाद जब उसने युवक से इस बारे में बात की तो उसने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि युवक का एक दोस्त भी इस पूरे मामले में उसका साथ दे रहा है।

इस मामले में पीड़ित युवती ने दोनों के खिलाफ थाने में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वहीं इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया की युवती की शिकायत के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अमरोहा में 800 बेटियों के हाथ होंगे पीले

योजना के तहत प्रति जोड़े पर 1 लाख रुपये का खर्च, सीधे वधु के खाते में पहुंचेंगे 60 हजार रुपये, 25 हजार का मिलेगा गृहस्थी का सामान

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के तहत इस वर्ष अमरोहा जिले में 800 गरीब कन्याओं के विवाह का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर आयोजन शुरू किए जाएंगे। अमरोहा की जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन ने बताया कि योजना के तहत सरकार प्रति जोड़े एक लाख रुपये खर्च करती है, जिसमें से 60 हजार रुपये सीधे वधु के बैंक खाते में भेजे जाते हैं। हालांकि, इस बार विभाग फजीर्वाड़े को लेकर बेहद सख्त है।

हर तीन माह में 200 जोड़ों का होगा विवाह

अमरोहा जिले को इस साल 800 सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन के मुताबिक, इस लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए हर तीन महीने में 200 शादियों का खाका तैयार किया गया है। जिले में सबसे ज्यादा आवेदन हसनपुर गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र से प्राप्त हो रहे हैं। फिलहाल इस वर्ष का पहला आयोजन होना बाकी है, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। टेंडर पास होते ही भव्य स्तर पर सामूहिक विवाह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में हिंदू और मुस्लिम दोनों ही समुदायों के जोड़े लगभग समान संख्या में पूरी आस्था और रीति-रिवाज के साथ हिस्सा लेते हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए कड़े मानक तय

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ उठाने के लिए शासन ने स्पष्ट मानक निर्धारित किए हैं। इसके तहत लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष से अधिक होनी अनिवार्य है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाता है कि यह दोनों का पहला विवाह हो। इसके अलावा, लाभार्थी परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। योजना का लाभ लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सबसे आगे हैं। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक शहरी क्षेत्रों के लोग सामूहिक विवाह के बजाय निजी तौर पर शादियां करना ज्यादा पसंद करते हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों की भागीदारी अधिक रहती है। ग्रामीण क्षेत्र के जो लोग ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं, वे भी पंचायत सचिव या जन सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से आसानी से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

त्रिस्तरीय सत्यापन और मंडप में होगा बायोमेट्रिक

विगत वर्षों में सामने आए फजीर्वाड़े के मामलों से सबक लेते हुए त्रिस्तरीय जांच व्यवस्था लागू की गई है। सबसे पहले ग्राम स्तर पर पंचायत सचिव सत्यापन करता है, उसके बाद बीडीओ स्तर पर सीडीपीओ या एडीओ जांच करते हैं। यदि एक ही गांव से 5 या 10 से अधिक आवेदन आते हैं, तो जिला स्तरीय अधिकारी मौके पर जाकर क्रॉस चेक करते हैं। इसके बावजूद अगर कोई गड़बड़ी की गुंजाइश बच जाती है, तो विवाह स्थल पर ही दूल्हा-दुल्हन का बायोमेट्रिक (आईरिस और फिंगरप्रिंट) स्कैन किया जाता है। यदि मंडप में कोई भी फर्जी मामला पकड़ में आता है, तो तुरंत एफआईआर दर्ज कराई जाती है और गलत सत्यापन करने वाले सचिव को सस्पेंड कर दिया जाता है। पिछले वर्ष विभाग ऐसे ही एक मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए सचिव को निलंबित कर चुका है।

शादी के एक से दो सप्ताह के भीतर खाते में आएगी रकम

योजना के तहत मिलने वाली एक लाख रुपये की कुल धनराशि का पारदर्शी तरीके से बंटवारा किया गया है। इसमें से 15 हजार रुपये आयोजन (टेंट, भोजन, पंडित या मौलवी, सजावट) पर खर्च होते हैं। 25 हजार रुपये का गृहस्थी का सामान जोड़ों को उपहार स्वरूप दिया जाता है और मुख्य राशि 60 हजार रुपये वधु के बैंक खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं।

विवाह संपन्न होने के बाद लाभार्थियों की सूची जिलाधिकारी (डीएम) द्वारा स्वीकृत की जाती है। इसके बाद उस स्वीकृत सूची को विभागीय पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में महज एक से दो सप्ताह का समय लगता है और धनराशि सुरक्षित तरीके से सीधे लड़की के बैंक खाते में पहुंच जाती है।

अनुपयोगी प्लास्टिक का उपयोग कर, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के कार्यक्रम में 100 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- छात्र-छात्राओं ने वेस्ट हो चुकी प्लास्टिक को अपनी कलाकारी से री-यूज लायक बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनकी प्रतिभा की सभी ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। प्रथम, द्वतीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित भी किया गया। बता दें कि रविवार को जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने हाईवे किनारे वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें आनंद डिग्री कालेज, रमाबाई आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के साथ ही गांव नाईपुरा, शहबाजपुर डोर, सलेमपुर गोसाई, सुल्तानठेर आदि में स्थित प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उन्होंने अनुपयोगी हो चुकीं प्लास्टिक की बोतल, प्लेट आदि पर चित्रकारी कर उन्हें फिर से उपयोग के लायक बना दिया। वेस्ट प्लास्टिक को फूलदान, कलमदान, डलिया आदि का स्वरूप प्रदान किया। मुख्य अतिथि जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही कहा कि बच्चों की इस कला से हम वेस्ट प्लास्टिक को री-यूज लायक बना सकते हैं। इससे प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। इस मौके पर जेबीएफ की सीएसआर टीम के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, चंदन प्रदान, गीता सिंह, एनआईआईटी फाउंडेशन की पूजा सागर, रजत वर्मा, बूंदी सिंह, नवनीत ग्रेवाल, नूर मसीह आदि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित, मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):– जनपद में रविवार को 256वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का सफल आयोजन किया गया। जिले के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित इस मेले में हजारों मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 33 चिकित्सकों एवं 139 पैरा-मेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2536 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1129 पुरुष, 971 महिलाएं तथा 436 बच्चे शामिल रहे। मेले के दौरान मरीजों को आवश्यक दवाएं, जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मेले में 110 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए, जिससे पात्र परिवारों को निशुल्क उपचार योजना का लाभ मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मेले में बुखार के 189, चर्म रोग के 229, दमा के 237, मधुमेह के 71, नेत्र रोग के 78 तथा उच्च रक्तचाप के 173 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। बुखार से पीड़ित मरीजों में से 19 की मलेरिया और 3 की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी रिपोर्ट नकारात्मक पाई गई। परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विशेष काउंटर स्थापित किए गए, जहां लोगों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आशा कार्यकताओं ने संचारी रोगों की रोकथाम, सोर्स रिडक्शन तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया। वहीं एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 264 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। मेले में आए मरीजों में से 136 लोगों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त करने में सहायता मिली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने और लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है।

किसानों की मांग पूरी होने पर भाकियू ने वापस लिया धरना, विद्युत विभाग का जताया आभार

सम्भल(सब का सपना):– जनपद में कृषि विद्युत आपूर्ति में सुधार होने के बाद भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक असली) ने प्रस्तावित धरना कार्यक्रम को निरस्त करने की घोषणा की है। संगठन ने किसानों की समस्या के समाधान के लिए विद्युत विभाग एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि 4 जून को भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक असली) के युवा जिला उपाध्यक्ष, जिला सम्भल द्वारा कृषि विद्युत आपूर्ति में लगातार हो रही कटौती और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या को लेकर विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपा गया था। ज्ञापन में बताया गया था कि किसानों को शासन द्वारा निर्धारित 10 घंटे की बजाय मात्र 4 घंटे ही बिजली उपलब्ध हो रही है, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने निर्धारित समयानुसार नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई थी। ज्ञापन दिए जाने के बाद विद्युत विभाग और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाए। इसके परिणामस्वरूप कृषि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हुआ और किसानों की प्रमुख समस्याओं का समाधान किया गया। रविवार को संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि किसानों की मांगें पूरी होने के चलते भविष्य में प्रस्तावित धरना कार्यक्रम को फिलहाल निरस्त किया जाता है और वर्तमान में किसी प्रकार का आंदोलन या धरना आयोजित नहीं किया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक असली) ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान संवाद, सहयोग और सकारात्मक प्रशासनिक पहल के माध्यम से होना किसानों और समाज दोनों के हित में है। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि वह भविष्य में भी किसानों के हितों, अधिकारों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार कार्य करता रहेगा।

वर्धमार नदी पुनरुद्धार अभियान का शुभारम्भ, डीएम-एसपी ने फावड़ा चलाकर की शुरूआत

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):– जनपद में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शनिवार को विकासखण्ड गुन्नौर के ग्राम बाघऊ में एक जनपद, पाँच नदियाँ अभियान के अंतर्गत वर्धमार नदी पुनरुद्धार कार्य का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मंत्रोच्चारण एवं पूजा-अर्चना के साथ नारियल फोड़कर तथा फावड़ा चलाकर अभियान की औपचारिक शुरूआत की। गौरतलब है कि 5 जून को ग्राम बाघऊ में वर्धमार नदी के कैचमेंट क्षेत्र में स्थित ग्राम समाज एवं ऊसर भूमि पर अवैध रूप से निर्मित खेरे वाले चमन शाह बाबा दरगाह शरीफ की मजार को प्रशासन द्वारा हटाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया गया था। यह कार्रवाई तहसीलदार रवि सोनकर के निर्देशन में नायब तहसीलदार रजपुरा अनुज कुमार, राजस्व विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई थी। कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर मौजूद रहे तथा पूरी प्रक्रिया की निगरानी की थी। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने बताया कि जनपद में एक जनपद, पाँच नदियाँ अभियान के तहत विलुप्तप्राय एवं अस्तित्वहीन होती जा रही नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्धमार नदी के पुनरुद्धार की शुरूआत की गई है। यह नदी विकासखण्ड गुन्नौर एवं जुनावई क्षेत्र से होकर लगभग 14.5 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए आगे महावा नदी में मिलती है। उन्होंने कहा कि नदी की पुरानी पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए अतिक्रमण हटाने, नदी की खुदाई, पौधारोपण एवं अन्य संरक्षण संबंधी कार्य कराए जाएंगे। साथ ही सीएसआर, राज्य वित्त आयोग तथा वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत आवश्यक विकास कार्य भी कराए जाएंगे, जिससे क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द्र, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग राजीव कुमार, तहसीलदार रवि सोनकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वर्धमार नदी पुनरुद्धार अभियान को जनपद में जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे भविष्य में क्षेत्र के जलस्तर और कृषि व्यवस्था को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

भाजपा कार्यकताओं की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, संगठन मजबूती और जनसंपर्क पर जोर

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):– भारतीय जनता पार्टी मंडल हयातनगर की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ और सेक्टर स्तर के कार्यकताओं की मेहनत ही भाजपा की सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके पन्ना प्रमुख और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय बने रहने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल ने शक्ति केंद्र संयोजकों एवं प्रभारियों को संगठन के कार्यक्रमों का मुख्य एजेंडा और कार्यपद्धति समझाई। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं तथा वर्ष 2027 में पुनः प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बूथ स्तर पर समीक्षा, जनसंपर्क अभियान तथा केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान मंडल अध्यक्ष गणेश शर्मा ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री सुमित श्याम ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री शिल्पी गुप्ता, पूर्व जिला मंत्री जयप्रकाश गुप्ता, नगर पालिका परिषद के नामित सदस्य सुरेश अटल, नामित सभासद एवं शक्ति केंद्र प्रभारी सैयद शान अली, भाजपा नेता इमरान तुर्की, राज बहादुर सैनी, जितेंद्र सैनी, मनोज राणा, विपिन गुप्ता, बंटी सागर, शुभम, अब्दुल हकीम, ऋचा वार्ष्णेय, निशि वार्ष्णेय, नवरत्न वार्ष्णेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

लूट की झूठी सूचना देकर डेढ़ लाख रुपये हड़पने वाला मजदूर गिरफ्तार

हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):– जनपद पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देकर अपने मालिक के डेढ़ लाख रुपये हड़पने वाले एक मजदूर को गिरफ्तार कर घटना का मात्र दो घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पूरी धनराशि भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के ग्राम रहटोल निवासी अवनेश कुमार के मजदूर अमन पुत्र जेनपाल ने लूट की झूठी सूचना देकर डेढ़ लाख रुपये हड़प लिए थे। मामले की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक फिरोज खान के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पूछताछ में सामने आया कि लूट की कोई घटना नहीं हुई थी, बल्कि आरोपी ने धोखाधड़ी कर रकम अपने पास रख ली थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मुकदमे से संबंधित 1.50 लाख रुपये की पूरी धनराशि बरामद कर ली। इस संबंध में थाना हजरतनगर गढ़ी पर आरोपी अमन के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अन्य धाराओं की वृद्धि करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

सम्भल(सब का सपना):– जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गुन्नौर के सभागार में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेकर उसका समाधान किया जाए। वहीं पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक ने सुना और संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायती प्रार्थना पत्रों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा विवादों और शिकायतों का समाधान निचले स्तर पर ही किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति ठियाबंदी उखाड़ने का प्रयास करता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पैमाइश संबंधी मामलों में दोनों पक्षों की सहमति बनाकर कार्यवाही की जाए तथा धारा-67 के मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी विभागों को अपने-अपने पटल पर पत्रावलियों का व्यवस्थित रखरखाव करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि एक ही गांव से बार-बार आने वाली शिकायतों के कारणों का अध्ययन कर उसकी रिपोर्ट अगले संपूर्ण समाधान दिवस में प्रस्तुत की जाए। इसके अलावा चक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने, ग्रामीण संपर्क मार्गों को गड्ढामुक्त बनाने तथा वर्षा ऋतु से पूर्व जलभराव जैसी समस्याओं के समाधान को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्राकृतिक आपदाओं एवं नदी में डूबने जैसी घटनाओं की रोकथाम के संबंध में जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड तथा नदी की गहराई संबंधी साइनेज लगाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही फार्मर रजिस्ट्री और लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर उनके शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बेहतर समन्वय स्थापित कर शिकायतों का त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करे, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, प्रभागीय वनाधिकारी प्रीती यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सपा की मासिक बैठक में मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान पर जोर

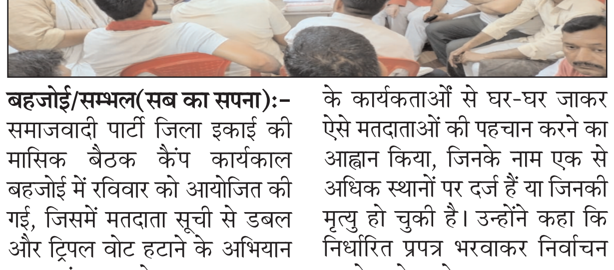

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):– समाजवादी पार्टी जिला इकाई की मासिक बैठक कैंप कार्यकाल बहजोई में रविवार को आयोजित की गई, जिसमें मतदाता सूची से डबल और ट्रिपल वोट हटाने के अभियान तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि मतदाता सूची में एक ही व्यक्ति के नाम का कई स्थानों पर दर्ज होना चुनाव प्रक्रिया की शुद्धता को प्रभावित करता है। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकताओं से घर-घर जाकर ऐसे मतदाताओं की पहचान करने का आह्वान किया, जिनके नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं या जिनकी मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रपत्र भरवाकर निर्वाचन आयोग को आवेदन उपलब्ध कराया जाए, जिससे मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाया जा सके। बैठक में सभी सेक्टर प्रभारियों और बूथ अध्यक्षों को अगले 15 दिनों के भीतर मतदाता सूची सत्यापन का कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि आगामी चुनावों में एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण होगा। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकताओं की कमेटी गठित की जाएगी। इन समितियों में युवाओं, महिलाओं, पिछड़ा वर्ग और दलित समाज के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा, ताकि संगठन की जड़ें और मजबूत हो सकें। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव (गुन्नौर), उमेश यादव (चन्दौसी), उमेश दिवाकर, अशोक यादव और संजय मदन सहित अन्य नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर शोभित कुमार काका, सद्दाम कुरैशी, निसार अहमद, आसिफ इकबाल, मनीष यादव, चेतन गुप्ता, अशोक गुप्ता, लव कुमार यादव, जीशान सभासद, गिरीश यादव, पप्पू शर्मा, डॉ. होराम सिंह, चंद्रकेश यादव, जितेंद्र यादव, अंकित गुप्ता, रिंकू चौहान,

रियासत भाई, तस्लीम भाई, अकील भाई, शेख सदन, वीरन यादव, साबिर खान, विवेक शर्मा, रामबाबू, नरेंद्र यादव, बब्बन मौर्य, आकाश शंखधार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार, मतदाता जागरूकता और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर भी रणनीति तैयार की गई।

छह वर्ष बाद सकुशल बरामद हुई अपहृत किशोरी, एक बच्चे के साथ मिली

जबरन पत्नी बनाकर रखने और शारीरिक शोषण के आरोप में भाई-बहन गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):– जनपद पुलिस को छह वर्ष पुराने अपहरण के मामले में बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2020 में अपहृत हुई किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी युवक और उसकी बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार 17 मार्च 2020 को थाना रजपुरा क्षेत्र के ग्राम महुआ हसनगंज निवासी नरेश यादव ने अपनी 11 वर्षीय पुत्री साक्षी के घर से लापता होने के संबंध में थाना रजपुरा में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की प्रारंभिक विवेचना थाना रजपुरा द्वारा की गई, लेकिन लंबे समय तक किशोरी की बरामदगी न होने पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देश पर विवेचना को एएचटी थाना को स्थानांतरित कर दिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने पोस्टर, समाचार पत्रों, सोशल मीडिया, तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण तथा सर्विलांस टीम की सहायता से लगातार तलाश अभियान चलाया। जनपद एवं सीमावर्ती जिलों में मुखबिर भी लगाए गए। पुलिस के अनुसार 1 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला, एक छोटा बच्चा और एक युवक ग्राम सिधौली कल्लू सड़क पुख्ता के पास खड़े हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने महिला से पूछताछ की तो उसने अपना नाम साक्षी बताया। पुलिस को देखकर उसके साथ खड़ा युवक मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब छह वर्ष पूर्व पड़ोस की एक महिला उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी और बाद में आकाश उर्फ वेत्रपाल के साथ जबरन रखवा दिया गया। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे अपनी पत्नी बनाकर रखा और उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी की बहन पूजा उर्फ कस्तूरी ने भी इस पूरे कृत्य में उसका सहयोग किया। पुलिस ने पीड़िता को उसके बच्चे सहित सकुशल बरामद कर महिला आरक्षी की सुरक्षा में वन स्टॉप सेंटर, बहजोई में रखा। इसके बाद शनिवार को पुलिस टीम ने फरार चल रहे आरोपी आकाश उर्फ वेत्रपाल पुत्र घनश्याम तथा उसकी बहन पूजा उर्फ कस्तूरी पुत्री घनश्याम को हरिबाबा बांध मार्ग पर ग्राम केशोपुर के निकट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में पीड़िता के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह बरामदगी एएचटी यूनिट, सर्विलांस टीम और थाना पुलिस के संयुक्त प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है।

संदिग्ध मौत के मामले में कब्र से निकाला गया शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नहटौर क्षेत्र स्थित सदरुद्दीन नगर में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक की पत्नी द्वारा हत्या की आशंका जताते हुए शिकायत किए जाने के बाद प्रशासन ने कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस पूरी कार्रवाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, सदरुद्दीन नगर निवासी गुड्डू उर्फ जुल्फिकार दिल्ली में कार्य करता था। परिजनों के अनुसार उसकी 3 मार्च को संदिग्ध

परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उसे कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया था। मृतक की पत्नी इसरत ने जिला मजिस्ट्रेट से शिकायत कर कुछ लोगों पर अपने पति की हत्या का आरोप लगाया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। शिकायत का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया। रविवार दोपहर करीब एक बजे प्रशासनिक टीम नहटौर के सदरुद्दीन नगर कब्रिस्तान पहुंची। नायब तहसीलदार राजकुमार तथा कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए कब्र खुदवाकर शव बाहर निकाला गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना के दौरान कब्र से शव निकाले जाने की प्रक्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। प्रशासन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

बाल किशनपुर चौराहे के पास दर्दनाक हादसा पेड़ से टकराई पिकअप, एक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप वाहन के हेल्पर की मौत हो गई। मुर्गों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि चालक को मामूली चोटें आई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के पानीपत निवासी जितेंद्र कुमार पिकअप वाहन में मुर्गे भरकर रामपुर की ओर जा रहा था। रविवार सुबह जब वाहन हल्दौर थाना क्षेत्र के बाल किशनपुर चौराहे के निकट पहुंचा, तभी अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और पिकअप सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा

टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय वाहन में चालक के साथ हेल्पर सूरज सिंह (38 वर्ष) भी सवार था। सूरज सिंह मध्य प्रदेश के भिंड जनपद के बेदवा सिलवानी गांव का निवासी बताया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायल हेल्पर को वाहन से बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। चालक जितेंद्र कुमार को मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण चालक को आई झपकी या नींद माना जा रहा है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर आगे की आवश्यक कार्रवाई करेगी। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

कुएं में शव मिलने से गांव में हड़कंप, पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी जांच की दिशा

बिजनौर (सब का सपना):- रविवार सुबह चांदपुर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब खेतों के बीच बने एक करीब 30 फीट गहरे कुएं में युवक का शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार थाना शिवाला कलां क्षेत्र के गांव जौनपुर निवासी रिंकु (40) पुत्र वीरेंद्र का शव गांव के जंगल में स्थित एक कुएं में मिला। रविवार सुबह जब ग्रामीण खेतों में काम करने पहुंचे तो उनकी नजर कुएं के अंदर पड़े शव पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर

ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी ने भी मौके का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परिजनों के अनुसार रिंकु अविवाहित था और घर में अकेला रहता था। वह खेती-बाड़ी कर अपना जीवनयापन करता था। उसके माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि उसका भाई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में महाराष्ट्र में तैनात है। बताया गया कि शनिवार को रिंकु खेतों की ओर गया था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर बाईं आंख और बाएं हाथ पर हल्की चोट तथा खरोंच के निशान पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कुएं में गिरने के दौरान ये चोटें लगी होंगी। हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि सुबह लगभग 10 बजे सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। प्रथम दृष्टया मामला कुएं में गिरने से हुई मौत का प्रतीत हो रहा है। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

राष्ट्रीय हिंदू जन कल्याण संघ ने खोडा कॉलोनी पहुंचकर स्वर्गीय सूर्या चौहान को दी श्रद्धांजलि

बुलन्दशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय हिंदू जन कल्याण संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. ऋषिपाल सिंह परमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल खोडा कॉलोनी पहुंचा, जहां स्वर्गीय सूर्या चौहान के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

राष्ट्रीय हिंदू जन कल्याण संघ के पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एवं शिवसेना जिलाध्यक्ष सर्वेश राणा ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा संगठन परिवार के साथ खड़ा है। डॉ. ऋषिपाल सिंह परमार ने भी अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत सूर्या चौहान के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिला से छेड़छाड़ का आरोप, विरोध करने पर पति पर धारदार हथियार से हमला, कार्रवाई न होने का आरोप

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के पहासू थाना क्षेत्र के गांव बनैल निवासी एक महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर गांव के तीन युवकों पर घर में घुसकर छेड़छाड़ करने तथा विरोध करने पर उसके पति के साथ मारपीट व धारदार हथियार से हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार घटना 28 मई की रात की है। शोर मचाने पर आसपास के लोग और एक महिला मौके पर पहुंची, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। महिला का आरोप है कि जब उसके पति ने आरोपितों से इस संबंध में पूछताछ की तो तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस को सूचना देने और थाने में कई बार जाने के बावजूद मेडिकल परीक्षण और मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तथा समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। साथ ही आरोपितों द्वारा धमकी दिए जाने की भी शिकायत की गई है। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बीकेडीए ने लगाए 100 पौधे, एक पेड़ माँ के नाम अभियान को मिला जनसमर्थन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण (बीकेडीए) द्वारा गंगानगर आवासीय योजना स्थित ब्लॉक-डी के तिकोना पार्क में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कल्पवृक्ष, कनेर, अशोक, टिकोमा और अमरूद सहित करीब 100 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में बीकेडीए की

उपाध्यक्ष डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार, सचिव वान्या सिंह, अधीक्षण अभियंता, सहायक अभियंताओं सहित प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को हरित एवं स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया।

महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ने श्रद्धालुओं को बांटी बादाम युक्त शीतल ठंडाई

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- पुरुषोत्तम मास के अवसर पर महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव सेवा समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन चौक (सब्जी मंडी चौराहा) पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं व राहगीरों को बादाम युक्त शीतल ठंडाई वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ

पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी एवं अजय कौशिक ने किया। कार्यक्रम में मनमोहन अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सुधीर गोयल, शानू बंसल, गोपाल स्वरूप, अजय गर्ग सहित अग्रवाल समाज के लोग मौजूद रहे। सभासद ओम प्रकाश लोधी व संजय सैनी भी उपस्थित रहे।

हिन्द भारतीय पत्रकार सुरक्षा संघ की बैठक सम्पन्न नए पदाधिकारियों को सौंपी गई अहम जिम्मेदारियां

बुलन्दशहर (सब का सपना):- हिन्द भारतीय पत्रकार सुरक्षा संघ के जिला कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संगठन के विस्तार मजबूती और पत्रकारों के हितों को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर पत्रकारों एवं समाजसेवियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई। बैठक में सर्वसम्मति से कई प्रमुख नियुक्तियों की घोषणा की गई। पद मनोनीत पदाधिकारी राष्ट्रीय सलाहकार (कानून) एडवोकेट शैलेन्द्र कुमार, राष्ट्रीय संरक्षक महबूब अली, प्रदेश सचिव डा.

अजीम खान, जिला अध्यक्ष बुलन्दशहर चन्द्रपाल, जिला सचिव रविन्द्र प्रकाश, जिला अध्यक्ष हापुड़ शाकिब, जिला महासचिव नदीम खान, तहसील अध्यक्ष बुलन्दशहर वसीम खान, तहसील अध्यक्ष शिकारपुर रीशू कुमार, पत्रकारों की सुरक्षा और हितों के लिए काम करेगा। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्द भारतीय पत्रकार सुरक्षा संघ पत्रकारों के हितों की रक्षा उनकी सुरक्षा तथा निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। पत्रकारों के उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन हमेशा उनके हक की आवाज बुलन्द करेगा। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए संकल्प लिया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। बैठक में अन्य सदस्यों को भी विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पत्रकारों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

भाजपा शहीद-ए-आजम भगत सिंह मंडल की मासिक बैठक सम्पन्न

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी शहीद-ए-आजम भगत सिंह मंडल (काला आम) की जून माह की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष भीष्म सिसोदिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मंडल प्रभारी उषा बंसल एवं नगर महामंत्री अशोक कुमार ने

आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेताओं, सम्मानित सभासदों, मंडल पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं कार्यकताओं ने भाग लिया।

पेस पब्लिक स्कूल, नयावास कुतुबपुर में नि:शुल्क चर्म रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पेस पब्लिक स्कूल, नयावास कुतुबपुर द्वारा जनहित में निःशुल्क चर्म रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के अनेक लोगों ने भाग लेकर त्वचा संबंधी रोगों की जांच एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया। शिविर में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति कुशवाहा (एमबीबीएस, DDVL Skin & VD), विभागाध्यक्ष, वीरांगना अवंतिबाई लोधी मेडिकल कॉलेज,एटा द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने त्वचा रोगों से बचाव, स्वच्छता एवं समय पर उपचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के संस्थापक तेजवीर सिंह (पूर्व प्रधान) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बलवंत कुमार (अध्यक्ष)अर्चना सिंह (उपाध्यक्ष)पवन कुमार (मैनेजर,पेस पब्लिक स्कूल) गगन कुमार सिंह(सदस्य)सौरभ कुमार (सदस्य)सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना है। शिविर के सफल आयोजन पर उपस्थित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा की। अंत में आयोजकों द्वारा सभी चिकित्सकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने बराल में किया वृक्षारोपण

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बराल स्थित खाद गोदाम परिसर में विधायक ठाकुर लक्ष्मीराज सिंह ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला हैं तथा प्रत्येक नागरिक को अधिक से

अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान विधायक ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हरित वातावरण ही स्वस्थ समाज और समृद्ध भविष्य की पहचान है।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष हरिओम सागर, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर लाइक-शेयर ने जगाई उम्मीद, भीड़ ने तोड़ा भ्रम, डिजिटल समर्थन की चमक फीकी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर लाइक, शेयर और करोड़ों फॉलोअर्स के दम पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन को युवाओं के बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदलने की उम्मीद जगाई थी। प्रदर्शन से पहले इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर अभियान ने जबरदस्त चर्चा बटोरी, लेकिन शनिवार को धरना स्थल पर जुटी भीड़ ने डिजिटल लोकप्रियता और जमीनी संगठन के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर कर दिया। पार्टी के इंस्टाग्राम पर 22.2 मिलियन यानी 2.22 करोड़ फॉलोअर्स और एक्स प्लेटफॉर्म पर 266.9 के यानी 2 लाख 66 हजार 9 सौ फॉलोअर्स है। पुलिस के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 2000 से भी कम लोग जुटे। शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए बने इस आंदोलन ने ऑनलाइन दुनिया में भले ही करोड़ों लोगों तक पहुंच बनाई हो, मगर जंतर-मंतर की हकीकत ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया कि क्या फॉलोअर की संख्या को जनाधार का पैमाना माना जा सकता है। प्रदर्शन से पहले पार्टी के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, वीडियो और अपीलें जारी की थीं। माहौल ऐसा बनाया गया था कि मानों जंतर मंतर पर जनसैलाब उमड़ पड़ेगा। यही वजह रही कि सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध के लिए जंतर-मंतर पर दिल्ली पुलिस के 500 जवान और

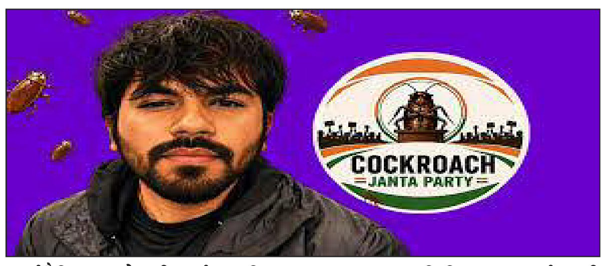

अर्द्धसैनिक बलों की कई टुकड़ियां एयरपोर्ट से लेकर जंतर-मंतर तक तैनात की गईं थीं। दिल्ली पुलिस ने भी अभिजीत दीपके के रूट के लिए अलग से फोर्स तैनात की हुई थी। मौके पर प्रदर्शन में करीब 1500 से 2000 लोग ही नजर आए। भीड़ उम्मीद से काफी कम रही। इधर, इंडिया रिजेक्ट्स सीजेपी हैशटैग प्रदर्शन से पहले और बाद में भी ट्रेंड करता रहा। डिजिटल समर्थन की चमक पड़ी फीकी दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र रमन अपने दोस्तों के साथ पहुंचे थे। उनके हाथ में पोस्टर था और चेहरे पर जोश, लेकिन भीड़ देखकर वह निराश दिखे। उन्होंने कहा कि हमने तो तीन चार दिन से यही देखा कि हर जगह यही मुद्दा ट्रेंड कर रहा है। हमें लगा कि यहां हजारों लाखों लोग आएंगे लेकिन यहां तो आराम से खड़े होकर बातचीत हो रही है। गुरुग्राम से आई निशा ने भी यही अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जो लोग सबसे ज्यादा लिख रहे थे, वह यहां नहीं दिखे। कुछ लोग मान रहे थे कि डिजिटल फॉलोअर्स का मतलब यह नहीं कि सभी लोग सक्रिय समर्थक हों। ऐसे लोग जरूरी नहीं कि सड़क पर उतरें।

विरोध में लगे जय श्री राम के नारे

सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय और अधिक गर्म हो गया जब विरोध करने वाले कई लोग मौके पर पहुंचे और अभिजित दीपके के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ समूहों ने जय श्री राम के नारे भी लगाए, जिससे वहां स्थिति खराब होने लगी। विरोध में आए लोगों के अनुसार, वह पार्टी की नीतियों से पूरी तरह असहमत हैं और सोशल मीडिया पर बनाए गए माहौल को वह जमीनी हकीकत से अलग मानते हैं। प्रदर्शनकारी मनोज ने बताया कि ऑनलाइन दिखाने के लिए बहुत कुछ होता है, लेकिन जमीन पर काम दिखाई नहीं देता। इसलिए हम यहां विरोध दर्ज कराने आए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी राजेश ने बताया कि फॉलोअर्स और ट्रेंड से जनता का भरोसा नहीं बनता, काम दिखना चाहिए। लाल हिट लेकर पहुंचे लोग प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग व्यंग्यात्मक तरीके से लाल रंग की हिट स्प्रे लेकर पहुंचे और कॉकरोचों को ढूंढने जैसी टिप्पणियां करते नजर आए।

दिल्ली के एनएफसी में तीन मंजिला मकान में लगी आग, पांच बच्चों समेत सात लोगों को किया रेस्क्यू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के सी-600 स्थित एक तीन मंजिला मकान में रविवार दोपहर करीब 3:39 बजे आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। आग की लपटें तेजी से फैल रही थीं, जिससे आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे पांच बच्चों और दो महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। साथ ही दो कुत्ते के बच्चों को भी बचाया गया। प्रारंभ में एक वाटर बाउजर, क्यूआरवी और बीएफटी भेजी गई थीं, बाद में अतिरिक्त फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। आग सबसे पहले मकान की पहली मंजिल पर लगी फायर ब्रिगेड की टीम ने सतर्कता और तेजी से काम करते हुए शाम 4:05 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग सबसे पहले मकान की पहली मंजिल पर लगी थी, जो ऊपरी मंजिलों तक फैल गई थी। घटना में केवल पालतू कुत्ता घायल हुआ है, जिसे सुरक्षित बाहर निकालकर पशु चिकित्सालय भेज दिया गया है। किसी भी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। दमकल अधिकारियों ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने दमकल की तेज प्रतिक्रिया की सराहना की है।

खान सर की बढ़ेंगी मुश्किलें! मानहानि मामले में दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची महिला पत्रकार

नई दिल्ली। अपमानजनक टिप्पणियां करने को लेकर टीवी पत्रकार अंजना ओम कश्यप ने खान सर के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अंजना ओम कश्यप द्वारा एक टीवी शो के दौरान स्टार टीचर्स के बढ़ते असर की आलोचना की थी और इसके बाद खान ने अंजना पर तमाम सवाल उठाते हुए टिप्पणियां की थी। मानहानि मुकदमे में अंजाना ने दावा किया कि कई डिजिटल प्लेटफार्म पर प्रसारित किए गए वीडियो, पोस्ट और ब्राडकास्ट में उनको लेकर बिकाऊ पत्रकार, चाटुकार, और दल्ली जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। साथ ही, उन पर दलाली करने और फेक न्यूज की दुकान चलाने का आरोप भी लगाया गया। अंजाना ओम कश्यप का तर्क है कि इस पोस्ट के कारण उनके परिवार को उत्पीड़न, अवांछित ध्यान और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ा है। याचिका पर आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हो सकती है।

दिल्ली के वसंतकुज में ऑटो पलटने से एक महिला की मौत, छह लोग घायल

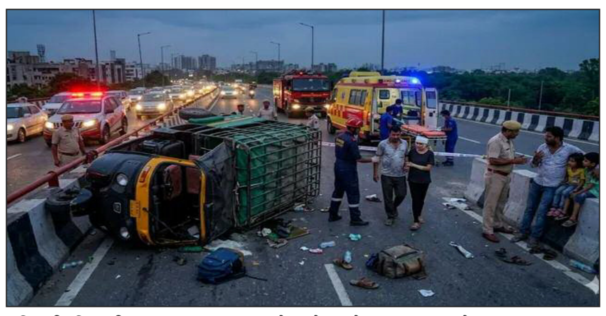

दक्षिणी दिल्ली। वसंतकुंज थाना क्षेत्र में रजोकरी फ्लाईओवर पर महिपाल पुर की ओर जाते समय एक आटो पलटने से महिला की मौत हो गए। वहीं दुर्घटना में दो बच्चों समेत छह लोग घायल हुए हैं। फायर ब्रिगेड के मुताबिक घटना तड़के हुई। सुबह 4.35 बजे कॉल मिली। मौके पर टीम पहुंची। यूनिट प्रभारी एसओ गोपाल के मुताबिक एक तिपहिया वाहन (बजाज मैक्सीमा टेम्पो पंजीकरण नंबर- डीएल-1एल एसी-7850 है) सड़क पर पलट गया था। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और छह लोगों को चोटें आईं, जिन्हें सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए सीएक्यूएम की बड़ी कार्रवाई, उल्लंघन के 87 मामले मिले

नई दिल्ली। दिल्ली सहित एनसीआर के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या दूर करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) निरंतर निगरानी कर रहा है। अलग-अलग स्थानों पर निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी कई स्थानों पर कचरा निस्तारण में लापरवाही, डीजल जनरेटर और औद्योगिक इकाइयों से प्रदूषण फैल रहा है। 11 मई से 29 मई तक सीएक्यूएम के फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा किए गए निरीक्षण में इस तरह के 87 मामले मिले हैं। सीएक्यूएम के प्रवर्तन कार्य बल (ईटीएफ) की बैठक में बताया गया कि फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा एनसीआर में कुल 245 निरीक्षण किए गए। इनमें निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) स्थलों पर 31 निरीक्षण, औद्योगिक क्षेत्र में 74 निरीक्षण और डीजल जनरेटर (डीजी) सेट से संबंधित 140 निरीक्षण शामिल थे। 87 उल्लंघन दर्ज किए गए इन क्षेत्रों में कुल 87 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें सीएंडडी स्थलों से 21, औद्योगिक क्षेत्र से 25 और डीजी सेट से संबंधित 41 उल्लंघन शामिल थे। नियमों का उल्लंघन करने वाली 11 इकाइयों/परियोजनाओं को बंद करने, 33 डीजी सेटों को सील करने और 13 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने का प्रस्ताव किया गया। औद्योगिक क्षेत्र और सीएंडडी से संबंधित सभी मामलों में कार्रवाई की गई। दोनों निकायों को नोटिस जारी किया कार्य बल ने 18 मई को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) क्षेत्र में नौ स्थानों पर सड़कों के निरीक्षण में 37 उल्लंघन मिले थे। वहीं, 26 मई को गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र के चार क्षेत्रों 24 उल्लंघन पाए गए थे। दोनों निकायों को नोटिस जारी किया गया है। आयोग ने फ्लाइंग स्क्वाड टीमों को फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी साक्ष्यों के साथ समय पर निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

ई-रिक्शा चलाने वालों के लिए जरूरी खबर, अब 10 दिन की ट्रेनिंग के बाद मिलेगा लाइसेंस

नई दिल्ली। ई-रिक्शा के ड्राइविंग लाइसेंस प्रशिक्षण के लिए कार्य में देरी हो सकती है। दिल्ली सरकार ने आवेदकों से ड्राइविंग स्कूल या इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं से ई-रिक्शा के लाइसेंस से पहले 10 दिन का प्रशिक्षण लेने के लिए कहा है। अभी तक ये स्कूल ई-रिक्शा के लिए प्रशिक्षण नहीं दे रहे हैं। दरअसल सरकार के आदेश के चलते भी ई-रिक्शा के लिए 10 दिन के प्रशिक्षण देने में अड़चन आ रही है। सरकार ने कुछ समय पहले आदेश जारी कर यह व्यवस्था की है कि ई-रिक्शा कंपनियों या संस्थाओं के नाम पर पंजीकृत नहीं होगा। ऐसे में कंपनियों और स्कूलों को रिक्शा नहीं मिल पा रहा है। दिल्ली में कितने ड्राइविंग स्कूल हैं? दिल्ली भर में

करीब 30 ड्राइविंग स्कूल ऐसे हैं जो ड्राइविंग के लिए प्रशिक्षण देते हैं, इनमें चार बड़ी कंपनियों के स्कूल भी हैं। अभी तक इन कंपनियों के पास ई-रिक्शा को चलाने के लिए प्रशिक्षण देने का ना तो अधिकार था ना ही ये लोग इस तरह का कोई काम करते थे। मगर अब सरकार ने ही इन ड्राइविंग स्कूलों को प्रशिक्षण देने का अधिकार दिया है, इसके लिए परिवहन विभाग में आवेदन करना पड़ेगा। जिसमें ई-रिक्शा को लेकर प्रशिक्षण देने के लिए विभाग द्वारा मंजूरी दी जाएगी। केवल व्यक्तिगत नाम पर ही रजिस्ट्रेशन मान्य मगर अधिकतर ड्राइविंग स्कूल इस प्रशिक्षण को देने के लिए देने की तैयार नहीं हैं। कारण उनके पास ई-रिक्शा का ना होना है। प्रशिक्षण देने के लिए ड्राइविंग स्कूल में ई-रिक्शा चाहिए और इन लोगों का कहना है कि ई-रिक्शा अब केवल व्यक्तिगत नाम पर ही पंजीकृत कराया जा सकता है। किसी स्कूल, कंपनी, संस्था के नाम पर ई-रिक्शा का पंजीकरण प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐसे में यह सवाल है कि यह बगैर ई-रिक्शा के इसे चलाने का प्रशिक्षण कैसे देंगे। हालांकि यह छोटी सी बात है मगर ड्राइविंग स्कूल वाले इसे मुद्दा बना रहे हैं। बहरहाल यह मामला सरकार तक पहुंच चुका है और कुछ ड्राइविंग स्कूल वालों ने इस बारे में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। सरकार इस मामले में कोई समाधान निकालती है तो इस समस्या का हल जल्द हो सकता है अन्यथा इस कार्य में देरी लगने की संभावना है।

दिल्लीवालों को महंगाई का एक और झटका, घरेलू एलपीजी सिलिंडर 29 रुपये महंगा

नई दिल्ली। महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को सरकार ने एक और झटका दिया है। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के दाम 29 रुपये बढ़ा दिए गए हैं। अब दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू एलपीजी सिलिंडर 913 रुपये की जगह 942 रुपये में मिलेगा। नई दरें तुरंत लागू कर दी गई हैं। पिछले तीन महीने में घरेलू गैस की कीमत में यह दूसरी बढ़ोतरी है। 7 मार्च को 60 रुपये महंगा हुआ था सिलिंडर उल्लेखनीय है कि इससे पहले, 7 मार्च को सिलिंडर 60 रुपये महंगा हुआ था। लगातार दाम बढ़ने से घरों का मासिक बजट और बिगड़ेगा। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उथल-पुथल की वजह से एलपीजी की लागत लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल के रेट 7.50 रुपये प्रति लीटर बढ़े मार्च में दाम बढ़ाने के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों को घरेलू सिलिंडर बेचने पर भारी घाटा हो रहा था। संशोधन से पहले हर सिलिंडर पर करीब 703 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा था। इसलिए बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डाला गया है। एलपीजी के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल भी महंगा हुआ है। मई के मध्य से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 7.50 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

बार काउंसिल चुनाव: दिल्ली हाई कोर्ट ने दोबारा मतदान की मांग ठुकराई, मतगणना जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बार काउंसिल आफ दिल्ली (बीसीडी) चुनाव में दोबारा मतदान कराने की मांग खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि मतपत्रों से छेड़छाड़ की एक घटना सामने आने के बावजूद पूरी चुनाव प्रक्रिया दूषित नहीं हुई है, इसलिए पुनर्मतदान का आदेश देने की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जिन मतपत्रों में काट-छांट, ओवरराइटिंग, सुधार, अतिरिक्त निशान या अन्य संदिग्ध बदलाव दिखाई दें, उन्हें अलग कर सीलबंद पैकेट में रखा जाए और उन्हें डाउटफुल बैलेट के रूप में विशेष समिति के समक्ष पेश किया जाए। समिति में शामिल अतिरिक्त सालिसिटर जनरल यह तय करेंगे कि

ऐसे मतपत्रों की गणना किस प्रकार की जाए और उसके संक्षिप्त कारण भी दर्ज करेंगे। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी थी कि 15 अप्रैल को मतगणना के दौरान एक कर्मचारी द्वारा कुछ मतपत्रों में मतदाताओं की वरीयता बदलने की घटना सामने आने के बाद पूरा चुनाव रद कर दोबारा मतदान कराया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। हाई-रिजाल्यूशन कैमरे लगाने का निर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हाई कोर्ट ने मतगणना टेबल के ऊपर हाई-रिजाल्यूशन कैमरे लगाने का निर्देश दिया है, ताकि प्रत्येक मतपत्र स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड हो सके। पूरी मतगणना प्रक्रिया की लगातार वीडियोग्राफी की जाएगी और उसका लाइव प्रसारण हाई कोर्ट के एस ब्लाक की छठी मंजिल पर लगाए गए डिस्प्ले, यूट्यूब और हाई लूप एप पर किया जाएगा। अदालत ने निर्देश दिया कि मतगणना दोबारा शुरू होने की तारीख और समय कम से कम 24 घंटे पहले घोषित किया जाए। पीठ ने आदेश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के 18 मई 2026 के अंतरिम आदेश के कारण जिस चरण पर मतगणना रुकी थी, वहीं से उसे दोबारा शुरू किया जाए। गौरतलब है कि बार काउंसिल आफ दिल्ली के चुनाव 21 से 23 फरवरी के बीच हाई कोर्ट परिसर में हुए थे। 23 पदों के लिए 221 उम्मीदवार मैदान में थे। 15 अप्रैल को मतगणना के दौरान एक कर्मचारी पर कुछ मतपत्रों में मतदाताओं की वरीयता बदलने का आरोप लगा था, जिसके बाद मतगणना रोक दी गई थी और एफआइआर दर्ज की गई थी।

दिल्ली-एनसीआर वालों को भारी पड़ेंगे अगले कुछ दिन, 42 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा; फिर मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में थोड़ी राहत के बाद लोगों को फिरसे भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक तापमान में वृद्धि होगी। न्यूनतम के साथ ही अधिकतम तापमान बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार व शुक्रवार को फिर से मौसम बदेलाग और तेज हवा चलने के साथ ही हल्की वर्षा भी होगी, जिससे अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक गिर सकता है। तापमान में वृद्धि दर्ज की गई शनिवार को पूरे दिन धूप निकलने के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। शुक्रवार की तुलना में अधिकतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस से अधिक वृद्धि के साथ 40 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सुबह से ही मौसम गर्म रहा इसके बाद बृहस्पतिवार से तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होने का पूवार्नुमान है। शुक्रवार की तुलना में शनिवार को सुबह से ही मौसम गर्म रहा। न्यूनतम तापमान में तो हल्की वृद्धि हुई, लेकिन धूप निकलने के कारण दिन का तापमान अधिक बढ़ गया। हल्के बादल के कारण उमस से भी लोग परेशान रहे। मौसम विभाग ने शनिवार दोपहर बाद तेज हवा चलने के साथ ही हल्की वर्षा होने का पूवार्नुमान जारी किया था। लेकिन, शाम में भी मौसम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

युवाओं का योगदान न्यायपालिका के तकनीकी परिवर्तन के लिए प्रेरणादायक - सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का कहना है कि युवा वकील, न्यायिक अधिकारी और कानूनी पेशेवर न्यायपालिका के तकनीकी परिवर्तन के लिए एक प्रेरणादायक स्रोत हैं। ऑक्सफोर्ड यूनियन में "संविधानिक वादा से डिजिटल वास्तविकताः एआई और तकनीकी उन्नति के युग में न्याय की सुरक्षा" विषय पर सीजेआई ने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक कभी भी मानव निर्णय को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, "भारत में कानून के क्षेत्र में युवा शब्द इतना

अनुकूलनशील है, चाहे वह जिला न्यायालय का न्यायिक अधिकारी हो, चाहे सरकारी वकील और यहां तक कि जो कॉर्पोरेट संस्थाओं को कानूनी सलाहकार के रूप में सहायता कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा,"ये सभी युवा मस्तिष्क इतने अनुकूलनशील हैं, इतनी तेजी से इसे अपनाते हैं, कि वे भारतीय न्यायपालिका के लिए इन सभी सुधारात्मक परिवर्तनों को लाने के लिए वास्तव में एक प्रेरणादायक स्रोत बने हैं।" उन्होंने कहा कि एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणाली विशाल मात्रा में कानूनी पाठ को आश्चर्यजनक गति से संसाधित कर सकती है। उन्होंने कहा, "यह प्रक्रियात्मक प्रवृत्तियों का मानचित्रण कर सकती है और प्रशासनिक चेकपॉइंट्स को चिकित्सीय सटीकता के साथ समाप्त कर सकती है, फिर भी यह कानून की आत्मा को जीवंत करने वाले गुणों के प्रति पूरी तरह से अंधी रहती है - सहानुभूति, नैतिक विवेक और गहरी संदर्भात्मक समझ।"

दिल्ली में आईफोन झपटकर भाग रहे दो बदमाशों को ट्रैफिक पुलिस ने दबोचा, दो मोबाइल फोन बरामद

नई दिल्ली। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में आईफोन झपटकर भाग रहे दो झपटमारों को न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी सर्किल में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने करीब 200 मीटर तक पीछा करने के बाद दबोच लिया। पुलिसकर्मियों ने अपनी सतर्कता, साहस और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए दोनों आदतन झपटमारों को दबोच लिया। ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी से न केवल झपटमार भागने में असफल रहे, बल्कि स्थानीय पुलिस को अपराध सुलझाने में भी कामयाबी मिली। एडिशनल पुलिस कमिश्नर दिनेश कुमार गुप्ता के मुताबिक घटना बीते छह जून की है। सुबह करीब 11 बजे न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी ट्रैफिक सर्किल के एएसआई लताफत अली, हवलदार सूरज मल और सिपाही अमनीश कुमार मथुरा रोड स्थित सीआरआरआइ लालबत्ती पर ट्रैफिक संचालन कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आ रहे हैं, जिनकी हरकतें

संदिग्ध लग रही थीं। उसी वक्त, बाइक से पुलिसकर्मियों द्वारा उनका पीछा करते दिखाई दिया। कुछ गड़बड़ होने का अंदेशा होने पर उन्होंने भी तुरंत झपटमारों का पीछा करना शुरू कर दिया। करीब 200 मीटर तक पीछा करने पर खुद को घिरा देखकर दोनों बदमाश अपनी बाइक सड़क किनारे छोड़कर पैदल भागने लगे लेकिन ट्रैफिक कर्मियों ने दोनों को धर दबोचा। इसी बीच पीछा कर रही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पकड़े गए बदमाशों की तलाशी लेने पर उनके पास से झपटे गए दो मोबाइल फोन बरामद हुए।

10 आपराधिक मामले हैं दर्ज

बरामद किए गए फोन में से एक आईफोन 15 था। जांच में पता चला कि यह फोन कुछ ही देर पहले न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में सुजान मोहिंद्रा अस्पताल के पास, माता का मंदिर टी-प्वाइंट से छीना गया था। पीड़ित मुकुल शर्मा (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) उस वक्त वाल्ट जिम से लौट रहे थे, तभी बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पकड़े गए बदमाशों में मुनीर हुसैन है वह कश्मीरी गेट का रहने वाला है कश्मीरी गेट थाने का घोषित बदमाश है। इसके खिलाफ 10 आपराधिक मामलों दर्ज हैं। दूसरे का नाम अजहर अली है वह सीताराम बाजार का रहने वाला है।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

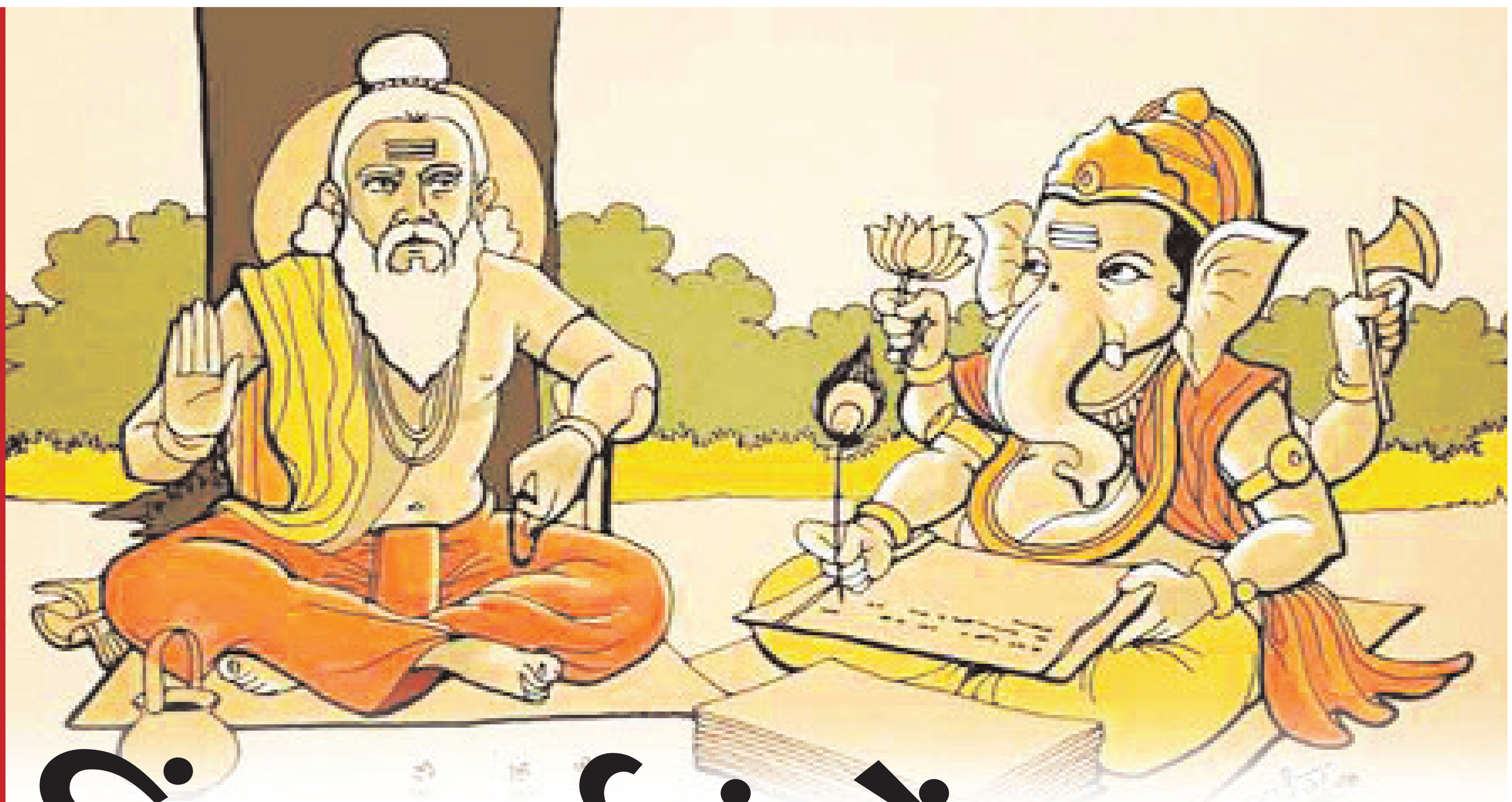

हिंदू धर्मग्रंथों का सार
जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है– श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति–रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं– शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी–बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे– 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार–बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम–नियम और धर्म–कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार–बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म–कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी–देवता, उपासना, प्रार्थना, यम–नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान–भक्ति–कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह–नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं– एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग–अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं– 1.अगति और 2.गति।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं– 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4.योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं– 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4.दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों–सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट–कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार– गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं– 1.ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं– अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति–विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति–विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह–नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग–अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग–अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं– मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम् और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है– गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म–कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म–कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे– 1.व्रत, 2.सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता–पिता, फिर बहन–बेटी, फिर भाई–बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न–जल देना– ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं– 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3.निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं– ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न–जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा–सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा–पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं– 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3.कीर्तन और 4.पूजा–आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग–अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द–गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता–पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग–अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न–भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

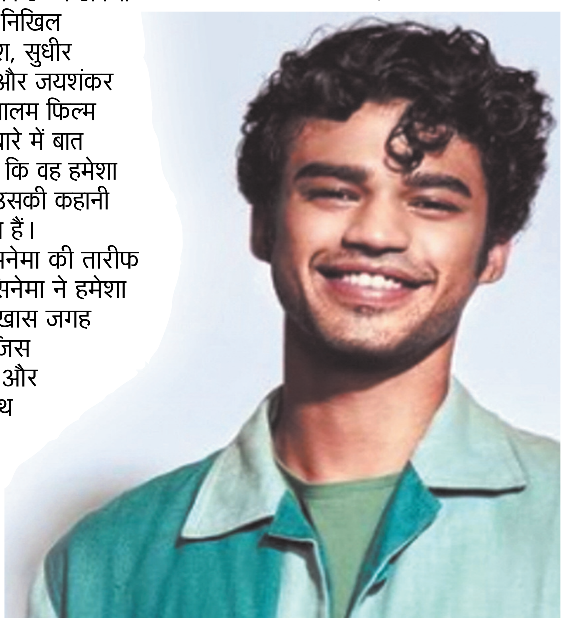

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाड़ू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।